

## चीता संरक्षण पर मध्य प्रदेश-राजस्थान संयुक्त पैनल

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश से **चीतों** के राजस्थान में घुस आने की घटनाओं के बाद, **चीता संरक्षण** के लिये दोनों राज्यों द्वारा एक **संयुक्त गलियारा प्रबंधन समिति** की स्थापना की गई है ।

### मुख्य बंदि

- **संयुक्त कॉरडिअर प्रबंधन समिति:**
  - समिति मध्य प्रदेश के **कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP)** और **गांधी सागर अभयारण्य** से चीतों के भविष्य के स्थानांतरण के लिये उपयुक्त क्षेत्रों का आकलन करेगी ।
    - सफ़िराशियों में आवास सुधार शामिल होंगे, वशिष रूप से पूर्व-संवर्द्धन आधार के लिये ।
  - समिति संयुक्त पर्यटन मार्गों के वकिलपों का मूल्यांकन करेगी, जसिमें संभवतः **राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य**, KNP और **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान** जैसे सीमावर्ती क्षेत्र शामिल होंगे ।
- **KNP में चीता पुनःप्रसतुता परियोजना:**
  - पुनः परचिय परियोजना के हसिसे के रूप में, सतिंबर 2022 में **नामीबिया से आठ चीते KNP में लाए गए**, इसके बाद **फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से बारह चीते लाए गए** ।
    - इस पहल का उद्देश्य **चीता की संख्या को बहाल करना है**, जसिसे 1952 में भारत में वल्लिपुत घोषति कर दया गया था ।
  - हालाँकि, अपनी स्थापना के बाद से, इस परियोजना को **कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है**, जनिमें पछिले दो वर्षों में कई वयस्क चीतों की मृत्यु और शावकों की मृत्यु शामिल है ।
    - फलिहाल, **KNP में शावकों सहति 24 चीते हैं** ।

### कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP)

- मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में स्थति KNP नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से स्थानांतरति होकर आए कई चीतों का आवास है ।
- इसे शुरु में 1981 में एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापति कया गया था और बाद में **वर्ष 2018 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दया गया** ।

# चीता (Cheetah)



**सामान्य नाम:** एशियाई चीता

**वैज्ञानिक नाम:** एसिनोनिक्स जुबेटस (*Acinonyx jubatus*)

- ❖ एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस (एशियाई चीता)
- ❖ एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस (अफ्रीकी चीता)

**विशेषताएँ:**

- ❖ विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- ❖ चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- ❖ शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

**अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:**

- ❖ **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की त्वचा; एशियाई चीते से मोटी  
❖ चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता  
❖ पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं  
❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** सुभेद्य (**Vulnerable**)
- ❖ **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे  
❖ हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल  
❖ केवल ईरान में पाए जाते हैं; देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।
- ❖ **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त घोषित किया गया  
❖ **IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:** घोर संकटग्रस्त (**Critically Endangered**)



एशियाई चीता



अफ्रीकी चीता

**भारत में चीतों का पुनर्वास:**

- ❖ राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC द्वारा "भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना" जारी की गई थी। (जनवरी 2022)  
❖ इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष 2009 में प्रस्तावित की गई थी।
- ❖ सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।  
❖ इन आठ चीतों को मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित किया जाएगा।
- ❖ नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।

